Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

APP–1002

M.A. (Previous) Examination, 2022

HINDI

Paper - II

(साहित्यशास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द) :

   (i) रस के मुख्य अंग कौन-कौन से हैं ?

   (ii) औचित्य और अनौचित्य का भेद स्पष्ट कीजिए।

(iii) आनन्दवर्धन की रचना का नाम लिखिए।

(iv) अलंकार सम्प्रदाय के जनक का नाम लिखिए।

(v) वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रवर्तक का नाम बताइए। उन्होंने वक्रोक्ति का क्या महत्व बताया है ?

(vi) सहृदय की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

(vii) औदात्य के बाधक तत्व कौन-कौनसे हैं ?

(viii) क्लासिक से टी.एस. इलियट का क्या तात्पर्य है ?

(ix) वर्ड्सवर्थ के काव्य-भाषा सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

(x) कॉलरिज के अनुसार कल्पना के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2. 'साधारणीकरण' के सम्बन्ध में आचार्य शुक्ल के विचार स्पष्ट कीजिए।

3. कुन्तक के वक्रोक्ति सिद्धान्त और क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की तुलना कीजिए।

4. अलंकार के स्वरूप की विवेचना करते हुए उसके महत्त्व को निर्धारित कीजिए।

5. टी.एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त का तर्क संगत विश्लेषण कीजिए।

6. कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का सर्जनात्मक साहित्य एवं आलोचना के क्षेत्र में क्या योगदान है ? स्पष्ट कीजिए।

7. हिन्दी आलोचना के विकास में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के विशिष्ट योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

8. बिम्ब, प्रतीक, फैंटेसी और मिथक की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

9. ध्वनि का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख प्रकारों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

10. काव्य में 'औचित्य' की महत्ता तथा आवश्यकता प्रकट करते हुए आचार्य क्षेमेन्द्र द्वारा निर्दिष्ट भेदोपभेदों की विवेचना कीजिए।

11. आई.ए. रिचर्ड्स के सम्प्रेषण सिद्धान्त के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए हिन्दी साहित्य एवं आलोचना पर उसके प्रभाव को रेखांकित कीजिए।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

    (i) रेखाचित्र

    (ii) विखण्डनवाद

    (iii) आधुनिकता

    (iv) आदिवासी विमर्श